प्रस्तावित शोध–कार्य

एस. अहमद की कहानियों में अन्तर्निहित संवेदना

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के

कला संकायांतर्गत हिंदी साहित्य विषय में शोध–उपाधि

के लिए प्रस्तावित

शोध–प्रबंध की रूपरेखा

सत्र – 2015–16

शोधार्थी

श्रीमती ममता सिंह

शोध केन्द्र

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय रायपुर (छ.ग.)

एस. अहमद की कहानियों में अन्तर्निहित संवेदना

शोध–प्रबंध की रूपरेखा

निर्देशक	सह निर्देशक	शोधार्थी
डॉ. (श्रीमती) वंदना कुमार सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग) शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)	डॉ. (श्रीमती) मधुलता बारा सहायक प्राध्यापक साहित्य एवं भाषा –अध्ययनशाला पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय रायपुर (छ.ग.)	श्रीमती ममता सिंह

शोध केन्द्र

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

vuØef.kdk

iLrkfor 'kks/k dk;Z dk 'kh"kZd

iLrkouk

1- iLrkfor {ks= esa iwoZ esa fd, x, 'kks/k&dk;ksZa dk iqujkoyksdu

2- iLrkfor 'kks/k&dk;Z dk mn~ns';

3- iLrkfor 'kks/k&dk;Z ds izeq[k izfreku

4- iLrkfor 'kks/k&dk;Z dh ifjdYiuk

5- iLrkfor 'kks/k&dk;Z ds fy, iLrkfor 'kks/k&izfof/k

6- iLrkfor 'kks/k dk v/;k;hdj.k

7- iLrkfor 'kks/k dk lEHkkfor ifj.kke

ifjf'k"V

vk/kkj xzUFk&lwph

lUnHkZ xzUFk&lwph

i=&if=dk,¡

oscl kbV~l

'kks/kkFkhZ ds izdkf'kr 'kks/k&i= dk fooj.k

'kh"kd % ,l- vgen dh dgkfu;k e vUrfufgr lonuk

iLrkouk %&

साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब है। साहित्य समय की रेखा में बँधा नही रहता, वह कई तरह से व्याख्यायित होकर विस्तार पाता है। आज की कहानियों में अनुभूत सत्य, परिवर्तित सामाजिक जीवन, यथार्थ चित्रण एवं संवेदना बड़ी गहराई से व्यक्त हुए हैं। समकालीन कथा परिदृश्य में यथार्थवाद की अभिव्यंजना अधिक दृष्टिगोचर होती है। साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की वास्तविकता का चित्र चित्रित करते हैं। जीवन की जटिलता, विसंगतियाँ, सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक स्थिति, नए जीवन मूल्यों की स्थापना अविश्वास कृत्रिम जीवन बोध अर्थहीनता को प्रतिध्वनित करते चित्रों का वर्णन ही आज के कथाकारों का मूल विषय है। अच्छा कथाकार वही है, जो समाज के भीतर छिपी अच्छाई, बुराई को अपनी रचना के माध्यम से पाठकों के समक्ष ला सके। हिंदी के एसे कई रचनाकार हुए हैं, जिनके साहित्यिक योगदान का मुल्यांकन अभी तक नहीं किया गया है, एस. अहमद जी एसे ही रचनाकारों में से एक हैं।

एस. अहमद की कहानियों की सबसे बड़ी विशेषता किस्सागोई है। उन्होंने अपनी रचनाओं में मुस्लिम परिवेश के रहन–सहन, अच्छाई–बुराई सभी का खुलकर चित्रण किया है।

अहमद जी ने अपनी रचनाओं में मध्यवर्ग के जीवन की सत्यता को उभारने का प्रयत्न किया है, केवल इनका ही नहीं अधिकतर कथाकारों का साहित्य मध्यवर्ग पर आधारित रहा है। वे मानवीय मूल्यों के प्रबल पक्षधर रहे हैं। उनकी रचना का उद्देश्य श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का प्रचार–प्रसार करना रहा है। उनके प्रत्येक शब्द और वाक्य गहन अर्थवेत्ताओं से भरे हैं, जो सहज ही उन्हें एक विशिष्ट दर्जा प्रदान करते हैं।

उनकी कहानियों में नारी उत्पीड़न, सर्वहारा वर्ग की पीड़ा, दलित समाज की त्रासदी एवं अल्पसंख्यक समुदाय की सच्चाई चित्रित है। उन्होंने तत्कालीन मुस्लिम समाज में घटित हो रहे उन बिन्दुओं, उन कुप्रथाओं पर प्रकाश डाला है जो केवल, एक आत्मानुभुत व्यक्ति ही कर सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से जो देखा और सुना है उसका सजीव चित्रण अपनी रचनाओं में किया है। किस प्रकार मुस्लिम समुदाय में नारी को अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है, धर्म की आड़ में उनपर अनेक शारीरिक और मानसिक अत्याचार किए जाते हैं, इसकी जानकारी पाठकों का अहमद जी की रचनाओं को पढ़कर सरलता से मालूम हो सकती है।

अहमद जी की कहानियों का एक अहम मुद्दा स्त्री–विमर्श पर आधारित है। इनकी कहानियों में हमारे सामाजिक मूल्यों में आ रहे बदलाव का वास्तविक चित्रण हुआ है। साथ

ही इन कहानियों की विषय–वस्तु संवेदना के धरातल पर दिल को गहराई तक स्पर्श करती है, और हमें इन विषयों पर सोचने के लिए मजबूर करती हैं।

अहमद जी बेहद संवेदनशील एवं सजग कथाकार हैं। यही वजह है कि मैंने अपने शोध–कार्य के लिए उनकी रचनाओं का चुनाव किया है। मेरे प्रस्तावित शोध कार्य का शीर्षक है – **एस. अहमद की कहानियों में अन्तर्निहित संवेदना।**

iLrkfor {k= e io 'kk/k&dk;k dk iujkoykdu %&

पूर्व समीक्षा से ज्ञात हुआ है कि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा एवं भारत के किसी अन्य विश्वविद्यालय में एस. अहमद की कहानियों पर अभी तक कोई शोध–कार्य पूर्ण नहीं हुआ है। मेरी जानकारी के अनुसार अहमद जी की रचनाओं पर 1997 ई. में सुबोध कुमार देवांगन द्वारा एम. ए. अंतिम (हिन्दी साहित्य) में केवल लघु–शोध का कार्य किया गया है, किंतु उस समय अहमद जी की कुछ रचनाएँ प्रकाशित नहीं हुई थीं, जिनका प्रकाशन बाद में हुआ, उनके समग्र लेखन का मूल्यॉंकन किया जाना अपेक्षित है।

समस्त जानकारी प्राप्त करने के पश्चात् शोधार्थी ने अपने शोध–कार्य के लिए इस विषय का चयन अपने शोध–निर्देशक डा. (श्रीमती) वंदना कुमार के निर्देशन में किया है।

एस. अहमद की रचनाओं पर किए गए लघु–शोध कार्य का विवरण निम्नानुसार है :–

1.देवांगन, सुबोध कुमार एम. ए. अंतिम (हिंदी साहित्य) के अष्टम प्रश्न–पत्र के विकल्प के रूप में – 'एस. अहमद की कहानियों का तात्विक अनुशीलन', निर्देशिका – डा. (श्रीमती) सत्यभामा रामटेके, शासकीय, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग, 1997

iLrkfor 'kk/k&dk;l dk mnn'; %&

समकालीन कथाकार एस. अहमद जी पर अभी तक कोई भी शोध–कार्य नहीं हुआ है, उन्होंने अपनी कहानियों में समकालीन कथा परिदृश्य को एक नया आयाम दिया है। वे भाषा और शिल्प प्रयोगों को अपने ढंग से इस्तेमाल करते हैं, तथा हमारे समाज की वास्तविक स्थिति का चित्रण करते हैं। उन्होंने मुस्लिम समाज के दरवाजों के पीछे छिपी बुराइयों को सबके समक्ष लाने का अतुल्नीय प्रयास किया है। इनकी रचनाओं का प्रमुख उद्देश्य यह है कि ये किसी प्रकार मुस्लिम समाज में चली आ रही दकियानूसी परम्पराओ में समय के अनुरूप परिवर्तन ला सकें। अतः इनके इस संदेश को जन–जन तक पहुँचाना तथा उन्हें साहित्य–जगत में वास्तविक स्थान दिलाने की कोशिश ही मेरे शोध–कार्य का प्रमुख उद्देश्य है।

iLrkfor 'kk/k&dk;l d ie[k ifreku %&

प्रस्तावित शोध – कार्य से हिंदी साहित्य जगत में लेखक एस. अहमद का अमूल्य योगदान समाज के समक्ष प्रस्तुत होगा। उनकी रचनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि अपने ही

समाज की सच्चाई को पाठको के समक्ष लाने में लेखक को अपने अंदर और बाहर कितना संघर्ष करना पड़ा होगा ?

यह विषय वर्तमान परिदृश्य में स्त्री विमर्श एवं मुस्लिम समाज को समझने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। हिंदी साहित्य को समृद्ध करने में एस. अहमद का योगदान एक नया प्रतिमान सिद्ध होगा। उनकी सजग दृष्टि ने हिंदी साहित्य के वितान में कुछ एसे यथार्थ रचे हैं, जो भविष्य में भी हमें बार–बार पुनः पाठ के लिए प्रेरित करते रहेंगे। मैं अपने प्रस्तावित शोध – कार्य के द्वारा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के अनछुए पहलुओं को उजागर करने का प्रयत्न करूँगी।

'kks/k ifjdYiuk %&

शोध या अनुसंधान से पूर्व अनुसंधान के कारण और परिणाम के बारे में शोधकर्ता जो एक निश्चित मत बना लेता है वही परिकल्पना कहलाती है, अतः इस संबंध में मेरी परिकल्पना इस प्रकार है –

1. कथाकार एस. अहमद जी की कहानियों के साहित्यिक अवदान को अपने सिमित विवेक से विश्लेषित करना।
2. एस. अहमद जी को हिन्दी साहित्य जगत में विशिष्ट स्थान दिलाना।
3. अहमद जी की रचनाओं के साहित्यिक वैशिष्ट्य को पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करना।

'kks/k&dk;l d fy, iLrkfor 'kks/k&ifof/k %&

प्रस्तावित शोध–कार्य के लिए विवेचनात्मक, समीक्षात्मक, साक्षात्कार, प्रश्नावली तथा तुलनात्मक विधियों का प्रयोग किया जाएगा। आवश्यकतानुसार मेरे द्वारा अहमद जी की धर्मपत्नी नीलम जी, तथा उनके अभिन्न मित्रो से पत्राचार के माध्यम से, एवं स्वयं के अध्ययन, विभिन्न ग्रंथालयो की पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथो विश्वविद्यालय में संग्रहित शोध–पत्रों समाचार पत्रों, तथा साहित्यिक एवं शोध पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से यह कार्य पूर्ण किया जाएगा।

iLrkfor 'kks/k dk v/;k;hdj.k

'kh"kZd % ,l- vgen dh dgkfu;ksa esa vUrfufgr laosnuk

iLrkouk fo"k; izos'k

विषय की व्याप्ति एवं सीमाएँ

पूर्वानुसंधान

उद्देश्य

v/;k; iFke ,l- vgen dk ftnxhukek ,o lkfgfR;d lQjukek

1.1 जीवन परिचय

1.2 शिक्षा दीक्षा

1.3 साहित्यिक रुझान

1.4 लेखन प्रेरणा

1.5 रचना प्रक्रिया

1.6 विचारधारा

1.7 कृतित्व

1.8 सम्मान पुरस्कार

v/;k; f}rh; ledkyhu fgUnh dgkuh dk ifjn`';

2.1 समकालीन कहानी

2.2 अकहानी

2.3 सचेतन कहानी

2.4 सहज कहानी

2.5 समानांतर कहानी

2.6 जनवादी कहानी

v/;k; r`rh; ,l- vgen dh dgkfu;ksa dk ifjp;

3.1 कहानी संग्रह

3.1.1 इज्जत

3.1.2 बर्फ होती लड़की

3.1.3 बंद दरवाजे

3.1.4 समय से बाहर

3.2 उपन्यास

3.2.1 आधे चाँद की रात (प्रकाशन हेतु प्रेस में)

3.3 अन्य

3.3.1 छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ बदलता परिदृश्य

3.3.2 जंगल जंगल बात चली है

v/;k; prqFkZ ,l- vgen dh dgkfu;ksa esa vUrfuZfgr laosnukvksa dk fofo/k :i

4.1 नए संदर्भ : नई वस्तु

4.2 वास्तविकता के प्रति नया दृष्टिकोण

4.3 टूटते – बिखरते संबंधों का आंतरिक यथार्थ

4.4 पीढ़ियों का संघर्ष, संदर्भ और समस्या

4.5 बदलते हुए संदर्भ और प्रेम का यथार्थ

4.6 जिंदगी की व्यापक निरर्थकता और सार्थकता की तलाश

4.7 संत्रास के संदर्भ

4.8 काले कार्बन से सफेद कागज पर उतारी गई विषय वस्तु

4.9 मुक्ति की चाह की मार्मिक अभिव्यंजना

v/;k; iape ,l- vgen dh dgkfu;ksa dk :i fo/kku

5.1 भाषिक संरचना (भाषा शिल्प)

5.1.1 बिम्बधर्मिता

5.2 शैलीगत वैशिष्ट्य

5.2.1 प्रयुक्त लोकोक्ति एवं मुहावरे

5.3 संवाद योजना एवं प्रस्तुति

v/;k; "k"B ledkyhu eqfLye dgkuhdkj vkSj ,l- vgen dh dgkfu;ksa dk rqyukRed v/;;u (अब्दुल्ल बिस्मिल्लाह, सआदत हसन मंटो, इस्मत चुगताई, मेहरुन्निसा परवेज, नासिरा शर्मा, राही मासूम रज़ा, ख्वाजा अहमद अब्बास, मंजूर एहतेशाम के विशेष संदर्भ में)

mila gkj

ifjf'k"V

आधार ग्रंथ

संदर्भ ग्रंथ

पत्र–पत्रिकाएँ

वेबसाइट्स

छायाचित्र

शोधार्थी के प्रकाशित शोध पत्र का विवरण

iLrkfor 'kks/k dk lHkkfor ifj.kke %&

हिन्दी साहित्य में अहमद जी का योगदान अविस्मरणीय है । उनके साहित्यक अवदान को मै अपने शोध प्रबंध के माध्यम से उजागर करने का प्रयास कर रही हैं। एस. अहमद की कहनीयों में अंतर्निहित संवेदना विषय पर किया गया शोध कार्य रचनाकारो, पाठकों और शोधार्थियों को नई सम्भावनाएँ प्रदान करेगा।

शोधार्थी का प्रयास होगा कि एस. अहमद की कहानियों में अन्तार्निहित संवेदना विषय पर निर्देशक डॉ. (श्रीमती) वंदना कुमार एवं सह– निर्देशक डॉ. (श्रीमती) मधुलता बारा के मार्गदर्शन में किया जाने वाला शोध–कार्य कथा– साहित्य के क्षेत्र में नया आयाम प्रस्तुत कर सके, इस दृष्टि से प्रज्ञापूर्ण परिक्षको के समक्ष प्रस्तावित शोध– कार्य की रुपरेखा मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत है।

ifjf'k"V

vk/kkj&xzFk %&

1. अहमद, एस. कहानी संग्रह : इज्जत. दुर्ग : श्री प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 1993
2. अहमद, एस. कहानी संग्रह : बर्फ होती लड़की. नई दिल्ली : राजेश प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 2009
3. अहमद, एस. कहानी संग्रह बन्द दरवाजे. नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान, प्रथम संस्करण 2005
4. अहमद, एस. कहानी संग्रह : समय से बाहर. दिल्ली : अक्षरशिल्पी प्रकाशन, 2015
5. अहमद, एस. उपन्यास अधूरे चाँद की रात. (प्रकाशन हेतु प्रेस में)
6. अहमद, एस. अन्य छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ बदलता परिदृश्य. दिल्ली : प्रखर पब्लिशर्स, प्रथम संस्करण, 2007
7. अहमद एस. अन्य : जंगल जंगल बात चली है. दिल्ली : नेहा प्रकाशन, 2015

l nHk&xFk %&

1. अवस्थी, ओम. प्रेमचंद के नारी पात्र. दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 1962

2. आरिफ, मोहम्मद. चोर सिपाही. नई दिल्ली : भारतीय ज्ञान पीठ, 2015

3. उपाध्याय, देवराज. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान इलाहाबादः साहित्य भवन, 1956

4. एहतेशाम, मंजूर. सम्पूर्ण कहानियाँ. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 2013

5. कमलेश्वर : नई कहानी की भूमिका. दिल्ली : अक्षय प्रकाशन, 1969

6. कुमार, रजनीश. हिन्दी कहानी के आंदोलन, उपलब्धियाँ और सीमाएँ. इलाहाबाद : के के बोरा 2015 कम्पनी , 1969

7. चौहान, उषा. नई कहानी के कहानीकारों की आलोचनात्मक दृष्टि. दिल्ली हिमाचल पुस्तक भंडार, 1990

8. चुगताई, इस्मत चिड़ी की दुक्की. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, 2004

9. चुगताई, इस्मत. बिच्छुफूफी. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, 2012

10. चुगताई, इस्मत. सारी मम्मी. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, 2005

11. परवेज, मेहरून्निसा. आँखो की दहलीज. नई दिल्ली : अक्षर प्रकाशन, 1969

12. बटरोही. कहानी संवाद का तीसरा आयाम. दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 1983

13. बिस्मिल्लाह, अब्दुल. शादी का जोकर. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2013

14. बिस्मिल्लाह, अब्दुल. ताकि सनद रहे. नयी दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2014

15. भगवानदास : कहानी संवेदनशीलता और प्रयोग. कानपुर : ग्रथंम प्रकाशन, 1972

16. मंटो, सआदत हसन. बादशाहत का खात्मा. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन 2012

17. मंटो, सआदत हसन. मेरठ की कैंची. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, 2008

18. मंटो, सआदत हसन. राजो और मिस फारिया. नई दिल्ली वाणी प्रकाशन, 2015

19. मंटो, सआदत हसन. दो कौमें नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2010

20. मंटो, सआदत हसन. टेटवाल का कुत्ता. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन, 2010

21. मदान, इंद्रनाथ. हिंदी कहानी पहचान और परख. दिल्ली : लिपि प्रकाशन 1973

22. यादव, राजेन्द्र. कहानीः स्वरूप और संवेदना. दिल्लीः नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 1968

23. रोडरमल, गार्डन चार्ल्स. हिंदी कहानी अलगाव का दर्शन. दिल्ली अक्षय प्रकाशन, 1982

24. रजा, राही मासूम. नीम का पेड़. नई दिल्ली : राजकमल पेपरबैक्स, 2004

25. लवानिया, रमेशचन्द्र. हिंदी कहानी में जीवन मूल्य. अमित प्रकाशन 1973

26. वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व. इलाहाबाद : साहित्य भवन, 1966

27. वजाहत, असगर. सात आसमान. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2013

28. वजाहत, असगर. डेमोक्रेसिया, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 2013

29. शर्मा, राजेन्द्र. समकालीन युवा कहानी : गति–प्रगति भाग 1 एवं 2 इलाहाबाद : साहित्यभंडार, 2009

30. शर्मा, नासिरा. किस्सा जाम का. इलाहाबाद : लोकभारती पेपरबैक्स, 2012

31. शर्मा, नासिरा. पत्थर गली. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2015

32. सिंह नामवर. कहानी : नई कहानी. लोकभारती प्रकाशन, 1976

33. सिंह, नामवर. हिन्दी का गद्यपर्व. नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन 2010

34. सुरति, आबिद. कब्र पर खिले दो फूल. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन, राजकमल पेपरबैक्स, 2016

35. सुरेन्द्र (सं). नई कहानी प्रकृति और पाठ. परिवेश प्रकाशन

dk'k

1. अहमद, मुहम्मद मुस्तफा खाँ. उर्दू – हिन्दी शब्दकोश. लखनऊ : उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, 1992

2. कुमार अरविंद – कुसुम कुमार : सहज समांतर कोश नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन, 2015

3. बाहरी. हरदेव. उच्चतर हिंदी कोश. दिल्ली : स्वर्ण जयंती, 2008

4. मण्डल, वीरेन्द्रनाथ. पाकेट हिन्दी शब्दकोश. नई दिल्लीः राजकमल प्रकाशन, 2015

lekpkj&i=

1. जनसत्ता, दैनिक, दिल्ली

2. दैनिक भास्कर, दैनिक, रायपुर

3. नई दुनिया, दैनिक, रायपुर

4. नवभारत, दैनिक, रायपुर

5. पत्रिका, दैनिक, रायपुर

6. हिंदुस्तान, दैनिक, दिल्ली

7. हरिभूमि, दैनिक, रायपुर

if=dk,¡

1. आजकल, मासिक, नई दिल्ली

2. आलोचना, मासिक, नई दिल्ली

3. कथाचक्र, त्रैमासिक, इतारसी

4. तद्भव, त्रैमासिक, लखनऊ

5. नया ज्ञानोदय, मासिक, नई दिल्ली

6. पहल, जबलपुर

7. पाण्डुलिपि, त्रैमासिक, रायपुर

8. पाखी, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

9. प्रेरणा, त्रैमासिक, भोपाल

10. प्रगतिशील वसुधा, त्रैमासिक, नई दिल्ली

11. लमही, लखनऊ

12. वागर्थ, मासिक, कोलकाता

13. शब्दार्थ, त्रैमासिक. वाराणसी

14. समकालीन साहित्य समाचार, द्वैमासिक, नई दिल्ली

15. साहित्य अमृत, मासिक, नई दिल्ली

16. सूत्र, जगदलपुर

17. हंस, मासिक, नई दिल्ली

वेबसाइट्स

1. **www.tadbhav.com**
2. **www.samkaleenjanmat.com**
3. **www.pakhi.com**
4. **www.hans.com**

शोधार्थी के प्रकाशित शोध–पत्रों का विवरण.

शोधार्थी Mamta Singh

श्रीमती ममता सिंह

निर्देशक Vkumar

डॉ. (श्रीमती) वंदना कुमार
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर
विज्ञान महाविद्यालय
रायपुर(छ.ग.)

Bara 02/12/2016
सह निर्देशक

डॉ. (श्रीमती) मधुलता बारा
सहायक प्राध्यापक
साहित्य एवं भाषा –अध्ययनशाला
पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

डॉ. श्रीमती वंदना कुमार
सहायक -प्राध्यापक
हिन्दी - विभाग
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़)

अध्यक्ष

साहित्य एवं भाषा – अध्ययनशाला
पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

HEAD
SoS in Lit. & Languages
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C. G.)